शुक्रवार
22 ,मई , 2026

अपना नालन्दा

अपना शहर, अपना खबर

वर्ष 2, अंक 102 | नालंदा का नंबर - 1 डिजिटल अखबार
www.apnanalanda.com

राजगीर मलमास मेले में मांस-मछली बिक्री पर बवाल, संतों ने उठाई प्रतिबंध की मांग

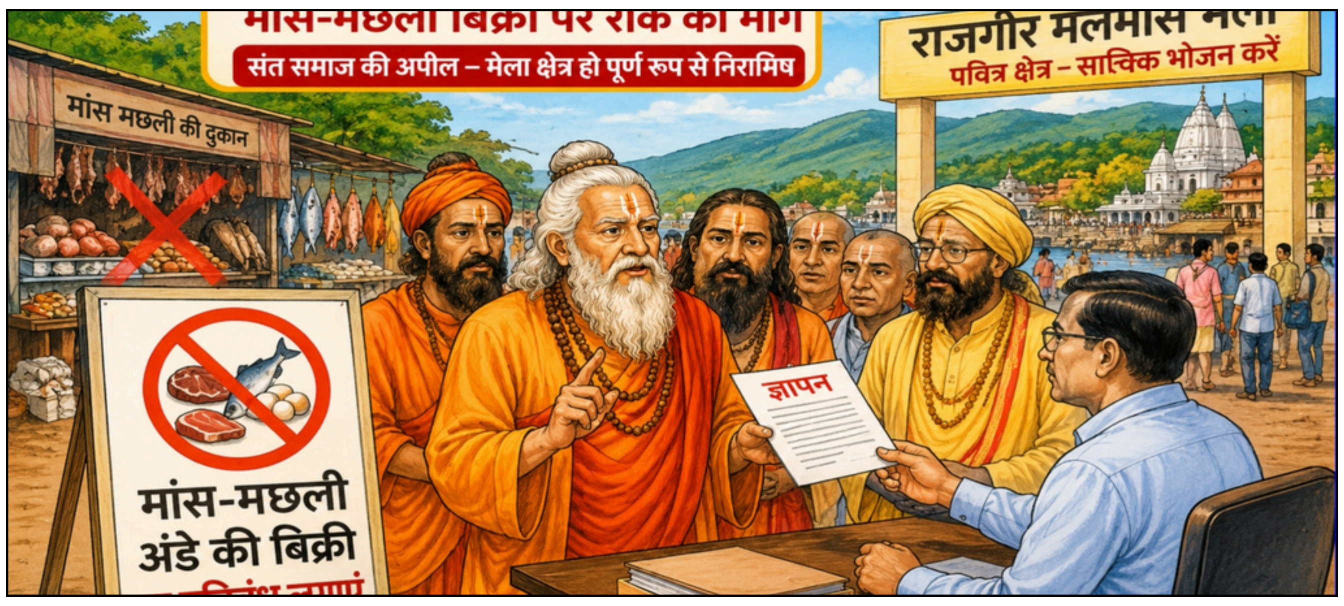

राजगीर (अपना नालंदा)। विश्व प्रसिद्ध राजकीय मलमास मेला में मांस, मछली और अंडे की बिक्री को लेकर विवाद गहराने लगा है। देश के विभिन्न हिस्सों से राजगीर पहुंचे संत-महात्माओं और धार्मिक संगठनों ने प्रशासन से मेला क्षेत्र को पूर्ण रूप से निरामिष क्षेत्र घोषित करने की मांग की है। संत समाज का कहना है कि पुरुषोत्तम मास पूरी तरह आध्यात्मिक साधना, तपस्या और सात्विक जीवन का पर्व है, ऐसे में मेला क्षेत्र में मांसाहार की बिक्री धार्मिक भावनाओं को आहत कर रही है।

संतों का तर्क है कि प्रयागराज के कुंभ और माघ मेले तथा देवघर के श्रावणी मेले जैसे बड़े धार्मिक आयोजनों में मांसाहारी खाद्य पदार्थों की बिक्री पर प्रतिबंध रहता है। उसी तर्ज पर राजगीर के मलमास मेले में भी मांस, मछली और अंडे की बिक्री पर रोक लगाई जानी चाहिए। उनका कहना है कि धार्मिक आस्था और परंपराओं के सम्मान के लिए यह आवश्यक कदम है।

संत समाज के प्रतिनिधियों ने बताया कि मेला शुरू होने से करीब तीन माह पूर्व ही जिला प्रशासन, अनुमंडल प्रशासन और नगर परिषद को ज्ञापन देकर इस संबंध में मांग की गई थी। इसके बावजूद मेला क्षेत्र में कई स्थानों पर मांसाहारी खाद्य पदार्थों की बिक्री जारी है। इससे साधु-संतों के साथ-साथ बड़ी संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं में भी असंतोष देखा जा रहा है।धार्मिक मान्यताओं के अनुसार पुरुषोत्तम मास के दौरान तैंतीस करोड़ देवी-देवताओं काराजगीर में निवास माना जाता है। इस अवधि में लाखों श्रद्धालु कल्पवास, पूजा-अर्चना, दान-पुण्य और आध्यात्मिक साधना के लिए यहां पहुंचते हैं। संतों का कहना है कि ऐसे पवित्र अवसर पर सात्विक वातावरण बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। उनका मानना है कि जीव हिंसा और मांसाहार जैसी गतिविधियां धार्मिक वातावरण के अनुरूप नहीं हैं।

संतों ने यह भी याद दिलाया कि पिछले मलमास मेले के दौरान प्रशासन ने उनकी मांग पर जीव हिंसा पर रोक लगाने की दिशा में कदम उठाए थे। इसलिए इस बार भी प्रशासन से उसी प्रकार की सख्त कार्रवाई की अपेक्षा की जा रही है। उन्होंने मांग की कि पूरे मेला क्षेत्र को औपचारिक रूप से निरामिष घोषित कर मांस, मछली और अंडे की बिक्री पर प्रतिबंध लगाया जाए।

इधर प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं को सस्ती और शुद्ध शाकाहारी भोजन व्यवस्था उपलब्ध कराने के लिए "जीविका दीदी की रसोई" संचालित की जा रही है, जिसे श्रद्धालुओं का अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। हालांकि संत समाज का कहना है कि केवल शाकाहारी भोजन उपलब्ध कराना पर्याप्त नहीं है, बल्कि मेला क्षेत्र में मांसाहारी खाद्य पदार्थों की बिक्री पर भी स्पष्ट प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए। अब सभी की निगाहें प्रशासन के अगले निर्णय पर टिकी हुई हैं।

मलमास मेला में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए आवासन स्थलों का डीएम ने किया निरीक्षण

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। राजकीय मलमास मेला 2026 के अवसर पर श्रद्धालुओं के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायजा लेने हेतु जिला पदाधिकारी कुंदन कुमार ने बुधवार देर रात्रि राजगीर मेला क्षेत्र स्थित विभिन्न आवासन स्थलों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने श्रद्धालुओं के ठहरने, सुरक्षा एवं अन्य बुनियादी सुविधाओं की स्थिति का अवलोकन किया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

जिला प्रशासन द्वारा मलमास मेला में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए राजगीर मेला क्षेत्र के 15 चिन्हित स्थलों पर आवासन की विशेष व्यवस्था की गई है। इन स्थलों पर ठहरने, पेयजल, स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था तथा सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम सुनिश्चित किए गए हैं, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।निरीक्षण के दौरान जिला पदाधिकारी ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को आवासन स्थलों पर नियमित निगरानी रखने, साफ-सफाई बनाए रखने तथा आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए त्वरित कार्रवाई की व्यवस्था बनाए रखने को कहा।

इस अवसर पर नगर आयुक्त, अपर समाहर्ता, अपर समाहर्ता आपदा प्रबंधन, अनुमंडल पदाधिकारी, कार्यपालक पदाधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। अधिकारियों ने जिला पदाधिकारी को मेला क्षेत्र में चल रही व्यवस्थाओं की जानकारी दी तथा श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए किए जा रहे कार्यों से अवगत कराया।

विकास योजनाओं से बदल रही बिहार की तस्वीर, बोले मंत्री श्रवण कुमार

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। बिहारशरीफ नगर निगम क्षेत्र के वार्ड संख्या 47 में मुख्यमंत्री समग्र विकास योजना एवं सांसद निधि से निर्मित दो महत्वपूर्ण विकास योजनाओं का उद्घाटन रविवार को क्षेत्रीय विधायक सह बिहार सरकार के ग्रामीण विकास एवं सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री श्रवण कुमार तथा सांसद कौशलेंद्र कुमार ने संयुक्त रूप से किया। इस दौरान स्थानीय लोगों एवं कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में विकास कार्यों का लोकार्पण कर उन्हें जनता को समर्पित किया गया।

मुख्यमंत्री समग्र विकास योजना के अंतर्गत लगभग 69 लाख रुपये की लागत से साठोपुर पासवान टोला से वियावानी पुल तक नदी किनारे नवनिर्मित ईंट सोलिंग एवं पीसीसी ढलाई कार्य कराया गया है। वहीं सांसद निधि से पांच लाख रुपये की लागत से विलास महतो के घर से राजू साव के घर तक पीसीसी ढलाई सड़क का निर्माण कराया गया है। उद्घाटन के बाद जनसभा को संबोधित करते हुए मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि बिहार में समुचित विकास की प्रक्रिया निरंतर जारी है और मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में सरकार राज्य को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य बिहार को देश के शीर्ष पांच विकसित राज्यों की श्रेणी में शामिल करना है। सात निश्चय-3 कार्यक्रम के माध्यम से विकास, रोजगार और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा दिया जा रहा है। महिलाओं को स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं, युवाओं को कौशल विकास एवं रोजगार से जोड़ा जा रहा है, जबकि उद्योग, कृषि और प्रौद्योगिकी क्षेत्र में भी तेजी से काम हो रहा है।

मंत्री ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के विजन और मार्गदर्शन ने बिहार को नई दिशा और पहचान दी है। आज राज्य के गांव-गांव तक सड़क, बिजली, पेयजल, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी मूलभूत सुविधाएं पहुंची हैं। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने 1990 का दशक देखा है, वे जानते हैं कि उस समय इन सुविधाओं का कितना अभाव था, लेकिन आज बिहार विकास के नए दौर में प्रवेश कर चुका है।

सांसद कौशलेंद्र कुमार ने कहा कि राज्य सरकार की योजनाओं से महिलाओं का सशक्तिकरण हुआ है। पंचायतों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है, उन्हें आत्मनिर्भर बनने के अवसर मिले हैं और समाज में उनका सम्मान भी बढ़ा है। उन्होंने कहा कि सरकार की विकासोन्मुख नीतियों का लाभ समाज के सभी वर्गों तक पहुंच रहा है।

कार्यक्रम में जदयू के जिला प्रवक्ता डॉ. धनंजय कुमार देव, प्रखंड अध्यक्ष संजय कुशवाहा, दिवाकर प्रसाद, धनंजय मुखिया, युगल किशोर, प्रमोद यादव, वार्ड पार्षद सविता देवी, धनपत पासवान, दिग्विजय नारायण सिंह उर्फ तन्नू सिंह, बिट्टू कुशवाहा, रामजन्म रविदास, विश्वास सिंह, भाजपा नेता कृति कुमार, डॉ. अरविंद कुमार, राजू साव, नीतीश पांडेय सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

नालंदा आगमन पर मंत्री श्रवण कुमार का जिला जनसंपर्क पदाधिकारी ने किया स्वागत

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। ग्रामीण विकास विभाग तथा सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, बिहार सरकार के मंत्री श्रवण कुमार के नालंदा जिला आगमन पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस अवसर पर जिला जनसंपर्क पदाधिकारी गुप्तेश्वर कुमार ने मंत्री को पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया।

हरनौत रेलवे स्टेशन पर ट्रेन से कटकर एक बुजूर्ग व्यक्ति की मौत

हरिओम कुमार

हरनौत(अपना नालंदा)।नालंदा जिले के हरनौत रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या एक पर दक्षिणी छोर पर बृहस्पतिवार की सुबह सात बजकर छ: मिनट में एक ट्रेन की चपेट में आने से एक बुजुर्ग व्यक्ति की मृत्यु हो गई।यह घटना उस वक्त हुई जब राजगीर से चलकर दानापुर तक जाने वाली मेमू पैसेंजर (गाड़ी संख्या 63339) हरनौत रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या एक पहुंचने वाली थी।

मौके पर जूटे लोगों ने इसकी सूचना पुलिस व परिजनों को दी। जीआरपी बिहारशरीफ के पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया में जुटी है।मृतक बुजुर्ग व्यक्ति हरनौत थाना क्षेत्र के पोआरी पंचायत के मिरदाहाचक गांव निवासी सियाशरण जामादार (71) है। वहीं मृतक बूजूर्ग व्यक्ति के भतीजा प्रभाकर कुमार ने बताया कि बिहारशरीफ स्थित अस्पताल में दो दिन पहले अपना आंख बनावाएं थे।आज सुबह अकेले घर से आंख की जांच कराने अकेले निकले थे।जिसमें हरनौत रेलवे स्टेशन पर ट्रेन पकड़ना था और बिहारशरिफ स्थित अस्पताल में जाना था। लेकिन बिहारशरीफ की तरफ से आ रही मेमू ट्रेन की चपेट में आ गया। उन्होंने बताया कि मृतक बुजुर्ग व्यक्ति अपना पत्नि सहित दो पुत्र व दो पुत्रियां छोड़कर दुनिया से चल बसे।

वहीं बख्तियारपुर आरपीएफ इंस्पेक्टर जवाहर लाल के अनुसार बिहारशरीफ की तरफ से मेमू गाड़ी आ रही थी।इसी दौरान उक्त बुजुर्ग व्यक्ति अचानक रेलवे ट्रैक पर सो गया। जिससे शरीर बीचो-बीचो दो भागों में कट गया। उन्होंने घटना का कारण सुसाइड बताया। उन्होंने बताया कि शव जीआरपी बिहारशरीफ के जिम्में सौंप दिया गया।

शांति और आध्यात्मिक जागरण का नया केंद्र बना पटेल नगर, ब्रह्माकुमारी शाखा का शुभारंभ

हरिओम कुमार

हरनौत (अपना नालंदा)। स्थानीय नगर पंचायत क्षेत्र के पटेल नगर मोहल्ले में गुरुवार को प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की नई सहयोगी शाखा का विधिवत शुभारंभ किया गया। शाखा के उद्घाटन अवसर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी डॉ. पंकज कुमार, अंचलाधिकारी पूजा कुमारी, थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर मुकेश कुमार वर्मा, जदयू प्रखंड अध्यक्ष सह बीस सूत्री अध्यक्ष रविकांत कुमार समेत अन्य गणमान्य अतिथियों ने संयुक्त रूप से फीता काटकर उद्घाटन किया।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों एवं ब्रह्माकुमारी परिवार के सदस्यों ने भाग लिया। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए अतिथियों ने कहा कि आज के समय में समाज को शांति, प्रेम, सद्भाव और आध्यात्मिक मूल्यों की सबसे अधिक आवश्यकता है। बढ़ती अशांति, तनाव, भ्रष्टाचार और सामाजिक बुराइयों के बीच ब्रह्माकुमारी संस्था लोगों को आत्मिक शांति और सकारात्मक जीवन जीने की दिशा प्रदान कर रही है।उन्होंने कहा कि पटेल नगर में नई शाखा का खुलना क्षेत्रवासियों के लिए खुशी और गौरव की बात है। यहां आने वाले लोग राजयोग ध्यान, आध्यात्मिक ज्ञान तथा नैतिक मूल्यों के माध्यम से अपने जीवन को बेहतर बनाने की प्रेरणा प्राप्त कर सकेंगे। साथ ही समाज में व्याप्त नकारात्मक प्रवृत्तियों से मुक्त होकर सुख, शांति और सदाचार के मार्ग पर चलने की कला भी सीख सकेंगे।कार्यक्रम के दौरान अतिथियों का ओम शांति का अंगवस्त्र ओढ़ाकर, तिलक लगाकर एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानपूर्वक स्वागत किया गया। ब्रह्माकुमारी बहनों ने संस्था की गतिविधियों एवं समाज कल्याण के लिए संचालित विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी भी दी।

नई शाखा के शुभारंभ से पटेल नगर एवं आसपास के क्षेत्रों के लोगों को आध्यात्मिक शिक्षा, राजयोग मेडिटेशन और नैतिक मूल्यों के प्रचार-प्रसार का लाभ मिल सकेगा।

जांच में सही पाए शिक्षक ने फर्जी घोषित करने पर उठाए सवाल

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। सिलाव प्रखंड में कथित फर्जी शिक्षकों के मामले को लेकर एक बार फिर विवाद गहरा गया है। उत्क्रमित मध्य विद्यालय, दरियासराय के शिक्षक रोहित कुमार ने शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा है कि कई स्तरों की जांच में प्रमाणपत्र और नियुक्ति सही पाए जाने के बावजूद उन्हें बार-बार फर्जी शिक्षक बताकर मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है।रोहित कुमार ने बताया कि धनंजय कुमार उर्फ गुड्डू द्वारा सिलाव प्रखंड के 127 शिक्षकों के विरुद्ध फर्जी नियुक्ति की शिकायत की गई थी, जिसमें उनका नाम भी शामिल कर दिया गया था। शिकायत के आधार पर मई 2019 में बिना समुचित जांच के उनका वेतन रोक दिया गया। बाद में प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने और शिकायत दर्ज कराने पर वेतन बहाल कियागया, लेकिन दिसंबर 2019 में पुनः जांच के नाम पर भुगतान रोक दिया गया। उन्होंने बताया कि चार सदस्यीय जांच समिति ने उनके प्रमाणपत्रों को सही करार दिया, फिर भी 127 कथित फर्जी शिक्षकों की सूची से उनका नाम नहीं हटाया गया। इसके बाद जिला शिक्षा पदाधिकारी द्वारा जांच के आधार पर वेतन भुगतान शुरू कराया गया। वर्ष 2020 में जिलाधिकारी के निर्देश पर पुनः जांच हुई, जिसमें भी दस्तावेज सही पाए गए और वेतन बहाल कर दिया गया, जो वर्तमान तक जारी है।

शिक्षक का कहना है कि जांच समिति, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिलाधिकारी तथा विभागीय परीक्षाओं के बाद हुई सभी जांचों में उनकी नियुक्ति वैध पाई गई है। इसके बावजूद समय-समय पर उन्हें फर्जी शिक्षक बताकर उनकी प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाई जा रही है। उन्होंने मांग की कि विभाग इस मामले में स्पष्ट निर्णय लेकर उनके नाम से लगे फर्जी शिक्षक के आरोप को स्थायी रूप से समाप्त करे।

संचार क्रांति के जनक राजीव गांधी को कांग्रेसजनों ने किया याद

अखिलेंद्र कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। नालंदा जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा गुरुवार को राजेंद्र आश्रम स्थित कांग्रेस कार्यालय में भारत रत्न एवं देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी की पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम में कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी तथा उनके योगदान को याद किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला कांग्रेस अध्यक्ष विवेक कुमार सिन्हा ने की। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि राजीव गांधी आधुनिक भारत के निर्माता थे और देश में संचार क्रांति के जनक के रूप में सदैव याद किए जाएंगे। उन्होंने सूचना प्रौद्योगिकी, दूरसंचार और पंचायती राज व्यवस्था को मजबूत करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए, जिसका लाभ आज भी देश को मिल रहा है।

जिला अध्यक्ष ने कहा कि राजीव गांधी ने युवासोच और आधुनिक दृष्टिकोण के साथ भारत को नई दिशा देने का कार्य किया। उनके नेतृत्व में देश ने तकनीकी विकास के क्षेत्र में नई पहचान बनाई। उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता।इस अवसर पर कांग्रेस नेताओं ने उनके जीवन, विचारों और देश के प्रति समर्पण को याद करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में संजू पांडे, राजीव कुमार मुन्ना, बिहारशरीफ कांग्रेस नेता इंजीनियर टीपू, डॉ. अवधेश प्रसाद, इमरान खान, सोनू, अजीत राज, अनिल कुमार सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। सभी ने राजीव गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके योगदान को नमन किया।

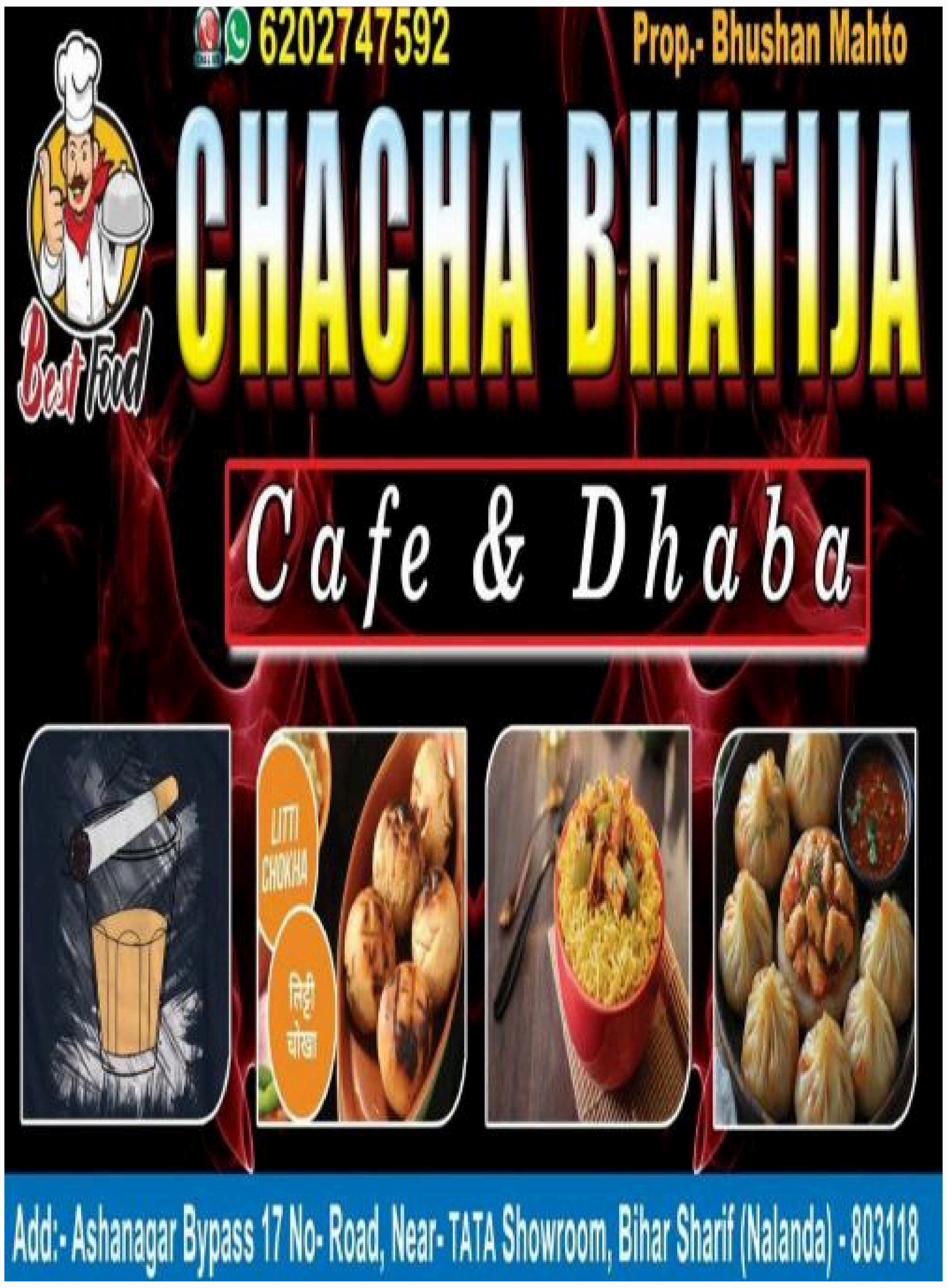

काला बिल्ला लगाकर स्वास्थ्य कर्मियों ने जताया विरोध, मांगे दोहराईं

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। बिहार चिकित्सा एवं जन स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के आह्वान पर नालंदा जिले के नियमित एवं संविदा स्वास्थ्य कर्मियों ने गुरुवार से चरणबद्ध आंदोलन की शुरुआत कर दी। आंदोलन के तहत 21 मई से 26 मई तक कर्मचारी अपने-अपने कार्यस्थलों पर काला बिल्ला लगाकर सरकारी कार्यों का निष्पादन करेंगे। संघ का उद्देश्य स्वास्थ्य मंत्री एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का ध्यान कर्मचारियों की लंबित समस्याओं की ओर आकर्षित करना है।

संघ के जिलाध्यक्ष नदीम ने बताया कि कर्मचारियों की विभिन्न मांगें लंबे समय से लंबित हैं, जिनके समाधान के लिए यह आंदोलन शुरू किया गया है। जिला मंत्री संजय कुमार ने कहा कि सभी संवर्ग के कर्मियों को नियमानुसार पदोन्नति का लाभ दिया जाए। इसके अलावा एएनएम सहित राज्य संवर्ग के कर्मियों को मातृत्व अवकाश, उपार्जित अवकाश, सेवा संपुष्टि तथा एमएसीपीसंबंधी लाभ उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक आदेश जारी किए जाएं।

उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य समिति के कर्मचारियों के लिए संवर्ग नियमावली बनाकर सेवा समायोजन किया जाए, शहरी एएनएम को सभी निर्धारित अवकाश दिए जाएं, संविदा कर्मियों की सेवा नियमित की जाए तथा आउटसोर्सिंग कर्मियों को न्यूनतम 26 हजार रुपये मासिक वैधानिक पारिश्रमिक का भुगतान सुनिश्चित किया जाए।संघ के उपाध्यक्ष राजीव रंजन, मीना कुमारी, राजेश कुमार सिंह, रितेश कुमार एवं गंगासागर सहित अन्य पदाधिकारियों ने बताया कि मांगों के समाधान नहीं होने पर 1 जून 2026 को पटना के गर्दनीबाग में राज्यस्तरीय धरना-प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा। इस प्रदर्शन में बिहार भर के हजारों स्वास्थ्य कर्मचारी भाग लेकर अपनी मांगों के समर्थन में आवाज बुलंद करेंगे।

युवक की संदिग्ध मौत पर मुआवजा और जांच की उठी मांग

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। रहुई प्रखंड के मोरा तालाब गांव निवासी अजय पासवान की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत को लेकर परिजनों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने निष्पक्ष जांच तथा सरकारी सहायता की मांग उठाई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अजय पासवान (पिता–संजय पासवान) को 19 मई 2026 को गांव के ही बिट्टू राम उर्फ अमरजीत कुमार अपने साथ घर से बुलाकर ले गया था। अगले दिन सुबह मोरा तालाब स्थित एक होटल की चौकी पर अजय को सोया हुआ देखा गया। स्थानीय लोगों द्वारा जगाने का प्रयास किए जाने पर पता चला कि उसकी मौत हो चुकी है।

घटना की सूचना मिलने पर भागनबीघा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बिहारशरीफ सदर अस्पताल भेज दिया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। बताया जाता है कि मृतक के पिता बाहर रहकर मजदूरी करते हैं। घटना की जानकारी मिलने पर वे घर पहुंचे, जिसके बाद परिवार द्वारा अंतिम संस्कार के लिए शव को गंगा घाट ले जाया गया।

इस बीच डॉ. भीमराव अंबेडकर संघर्ष विचार मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल पासवान ने मृतक के परिजनों से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त की। उन्होंने प्रशासन से मृतक के आश्रित परिवार को तत्काल 4 लाख 20 हजार रुपये मुआवजा, परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी तथा 5 हजार रुपये मासिक पेंशन देने की मांग की। साथ ही घटना की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने की मांग भी की।

मौके पर मंच के प्रदेश महासचिव मुन्ना कुमार, जिला महासचिव महेंद्र प्रसाद, अमोद कुमार, बहुजन नेता विलास पासवान, रवि रंजन कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

बीमार सास की सेवा के लिए शिक्षिका ने मांगी स्थायी पदस्थापना, मंत्री को सौंपा आवेदन

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। बड़ी पहाड़ी राष्ट्रीय प्लस टू उच्च विद्यालय में प्रतिनियुक्त मनोविज्ञान शिक्षिका प्रीति कुमारी ने मानवीय आधार पर अपनी स्थायी पदस्थापना की मांग की है। इस संबंध में उन्होंने बिहार सरकार के सूचना एवं जनसंपर्क सह ग्रामीण विकास मंत्री को आवेदन सौंपकर बड़ी पहाड़ी राष्ट्रीय प्लस टू उच्च विद्यालय, बिहारशरीफ में स्थायी रूप से पदस्थापित किए जाने अथवा प्रतिनियुक्ति अवधि बढ़ाने का अनुरोध किया है।

प्रीति कुमारी वर्तमान में शिक्षक भर्ती परीक्षा (टीआरई-2) के तहत प्लस टू राजकीयकृत उच्च विद्यालय, गोपालबाद-परनामा में कार्यरत हैं। उन्होंने आवेदन में बताया है कि उनका वर्तमान विद्यालय उनके घर से लगभग 80 किलोमीटर दूर स्थित है। लंबी दूरी के कारण उन्हें पारिवारिक दायित्वों के निर्वहन में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

शिक्षिका ने बताया कि उनकी सास सुशीला देवी गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं और उन्हें नियमित देखभाल की आवश्यकता है। परिवारकी परिस्थितियों को देखते हुए जिला पदाधिकारी के हस्तक्षेप पर उन्हें तीन माह के लिए बड़ी पहाड़ी राष्ट्रीय प्लस टू उच्च विद्यालय में प्रतिनियुक्त किया गया था। इससे उन्हें पारिवारिक जिम्मेदारियों का निर्वहन करने में सहूलियत मिली।

उन्होंने कहा कि उनकी प्रतिनियुक्ति की अवधि इस माह समाप्त हो रही है। ऐसे में यदि उन्हें पुनः दूरस्थ विद्यालय में योगदान देना पड़ता है तो बीमार सास की देखभाल करना कठिन हो जाएगा। इसी वजह से उन्होंने मानवीय आधार पर स्था

यी पदस्थापना अथवा अगले आदेश तक प्रतिनियुक्ति जारी रखने की मांग की है। इस संबंध में जिला शिक्षा पदाधिकारी तथा जिला कार्यक्रम पदाधिकारी को भी आवेदन देकर स्थिति से अवगत कराया गया है।

मलमास मेला कवरेज के लिए मीडिया सेंटर शुरू, पत्रकारों को मिलेगी सुविधा

अखिलेंद्र कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। राजकीय मलमास मेला 2026 के दौरान मीडिया प्रतिनिधियों की सुविधा एवं सुचारु समाचार संकलन के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा राजगीर स्थित मेला थाना परिसर में मीडिया सेंटर स्थापित किया गया है। इस केंद्र के माध्यम से पत्रकारों को मेला संबंधी सूचनाओं के आदान-प्रदान तथा कार्य निष्पादन में आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

जिला प्रशासन ने सभी मीडिया कर्मियों से अनुरोध किया है कि वे मेला अवधि के दौरान मीडिया सेंटर की उपलब्ध सुविधाओं का लाभ उठाएं। प्रशासन का उद्देश्य पत्रकारों को बेहतर कार्य वातावरण उपलब्ध कराना तथा मेला से संबंधित सूचनाओं का त्वरित एवं प्रभावी प्रसार सुनिश्चित करना है।

मलमास मेला में देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आगमन को देखते हुए प्रशासन द्वारा विभिन्न व्यवस्थाएं की जा रही हैं। इसी क्रम में मीडिया सेंटर की स्थापना को महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। प्रशासन ने उम्मीद जताई है कि इस सुविधा से पत्रकारों को मेला कवरेज में सहूलियत मिलेगी तथा सूचनाओं का प्रसारण अधिक व्यवस्थित ढंग से हो सकेगा।

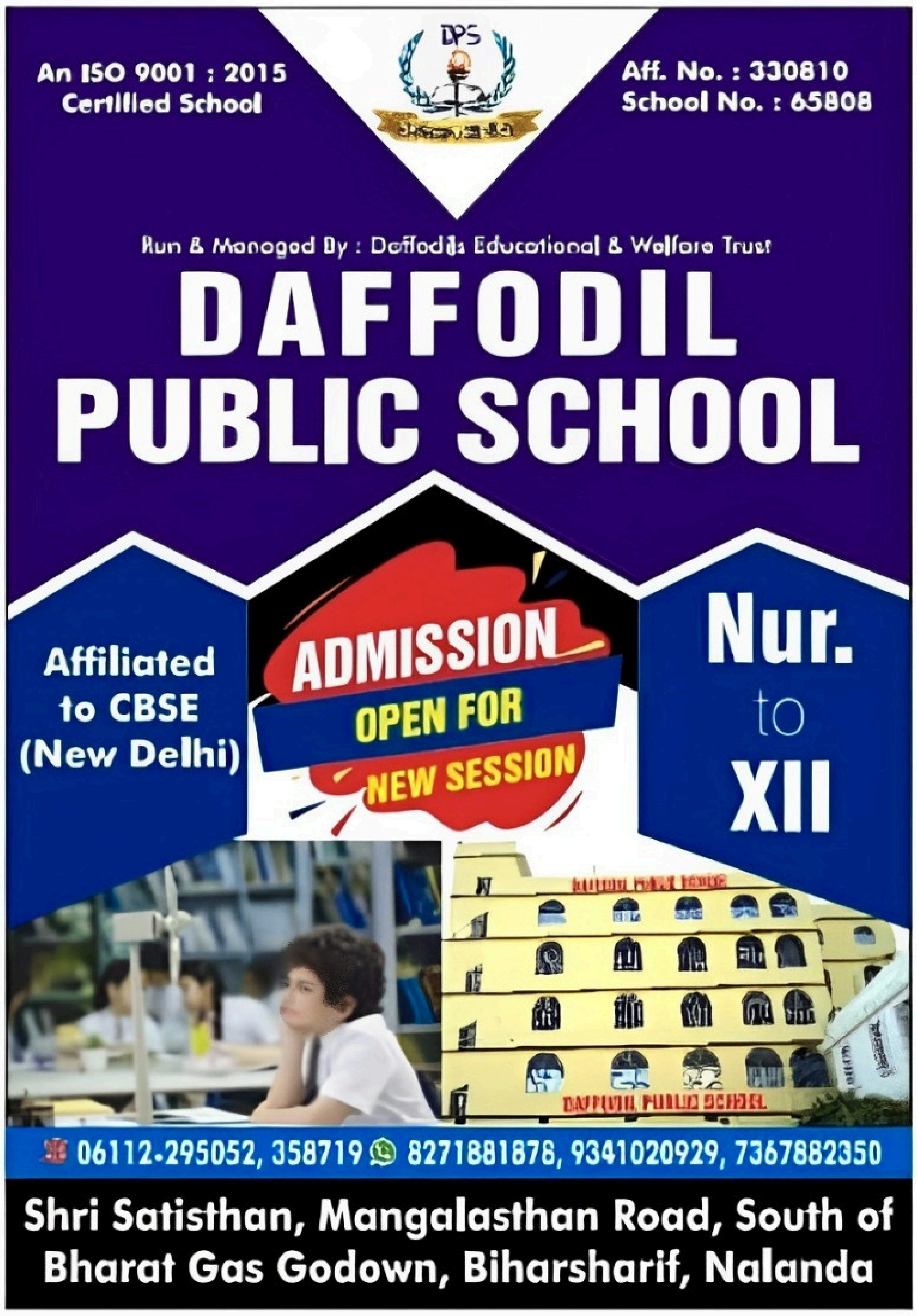

जनसुनवाई में सुनी गई समस्याएं, मंत्रियों ने दिए त्वरित समाधान के निर्देश

जेपी चौधरी

पटना (अपना नालंदा)। जनता दल (यूनाइटेड) के प्रदेश कार्यालय, पटना में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में बिहार सरकार के मंत्री डॉ. अशोक चौधरी, मदन सहनी एवं डॉ. श्वेता गुप्ता ने प्रदेश के विभिन्न जिलों से पहुंचे लोगों की समस्याएं सुनीं। मंत्रियों ने शिकायतों का गंभीरता से संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों को विधिसम्मत एवं शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

कार्यक्रम में विधान पार्षद संजय कुमार सिंह उर्फ गांधी जी, प्रो. नवीन आर्य चंद्रवंशी, अनिल कुमार तथा लोकप्रकाश सिंह भी उपस्थित रहे। जनसुनवाई के दौरान भूमि विवाद, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं, विकास कार्यों तथा विभिन्न विभागों से जुड़ी शिकायतों पर चर्चा की गई।

मीडिया से बातचीत करते हुए मंत्री डॉ. अशोक चौधरी ने प्रधानमंत्री को लेकर राहुल गांधी की टिप्पणी की आलोचना करते हुए कहा कि राजनीतिक विरोध के नाम पर भाषा की मर्यादा का उल्लंघन लोकतांत्रिक परंपराओं के अनुरूप नहीं है। उन्होंने कहा कि देश की जनता ऐसी अभद्र भाषा को स्वीकार नहीं करेगी।

वहीं नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए डॉ. चौधरी ने कहा कि अपराधियों के खिलाफ की जा रही कार्रवाई को जातीय रंग देना विपक्ष की निम्नस्तरीय राजनीति को दर्शाता है। अपराध और अपराधी को जाति के आधार पर देखना पूरी तरह गलत है।

मंत्री मदन सहनी ने कहा कि पंचायत स्तर पर लगाए जा रहे सहयोग शिविर आम जनता के लिए बेहद लाभकारी साबित हो रहे हैं। इससे लोगों की समस्याओं का स्थानीय स्तर पर समाधान संभव हो रहा है।

उन्होंने कहा कि सरकार सूखा नशा जैसी सामाजिक बुराइयों के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई कर रही है तथा जनजागरूकता अभियान भी चला रही है, ताकि समाज को नशामुक्त बनाया जा सके।

विधानसभा परिसर में अग्नि सुरक्षा को लेकर मॉक ड्रिल और कार्यशाला आयोजित

पटना (अपना नालंदा)। बिहार विधान सभा सचिवालय परिसर में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से बिहार अग्निशमन सेवा द्वारा मुख्य भवन, उप भवन एवं विस्तारित भवन में मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इस दौरान अग्निशमन अधिकारियों ने आग लगने की स्थिति में त्वरित एवं सुरक्षित बचाव के उपायों की जानकारी दी तथा विभिन्न अग्निशामक उपकरणों के उपयोग का व्यावहारिक प्रदर्शन किया।

मॉक ड्रिल के माध्यम से आग लगने के संभावित कारणों, उससे बचाव के उपायों तथा प्रारंभिक स्तर पर आग पर नियंत्रण पाने की तकनीकों के बारे में विस्तार से बताया गया। अधिकारियों ने कर्मचारियों को आपातकालीन परिस्थितियों में संयम बनाए रखते हुए सुरक्षित निकासी की प्रक्रिया से भी अवगत कराया।

बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने मॉक ड्रिल का निरीक्षण किया और अग्निशमन सेवा के अधिकारियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि बढ़ती गर्मी के मौसम में अग्निकांड की घटनाओं की आशंका अधिक रहती है, इसलिए लोगों को जागरूक करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने जिला मुख्यालयों से लेकर पंचायत स्तर तक अग्नि सुरक्षा एवं आपदा से बचाव के लिए व्यापक जागरूकता अभियान चलाने का आह्वान किया। इस अवसर पर उन्होंने अग्निशमन सेवा के अधिकारियों को पौधा भेंट कर सम्मानित भी किया।

कार्यक्रम के पूर्व विस्तारित भवन स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में विधानसभा सचिवालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए अग्नि सुरक्षा विषयक कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में आग लगने की स्थिति में बचाव के उपाय, आपदा प्रबंधन तथा विभिन्न अग्निशामक उपकरणों के प्रभावी उपयोग की विस्तृत जानकारी दी गई। इससे कर्मचारियों को आपात स्थितियों से निपटने के लिए आवश्यक प्रशिक्षण प्राप्त हुआ।

तारामंडल और बिरसेक को आधुनिक बनाने हेतु सरकार ने सृजित किए नए पद

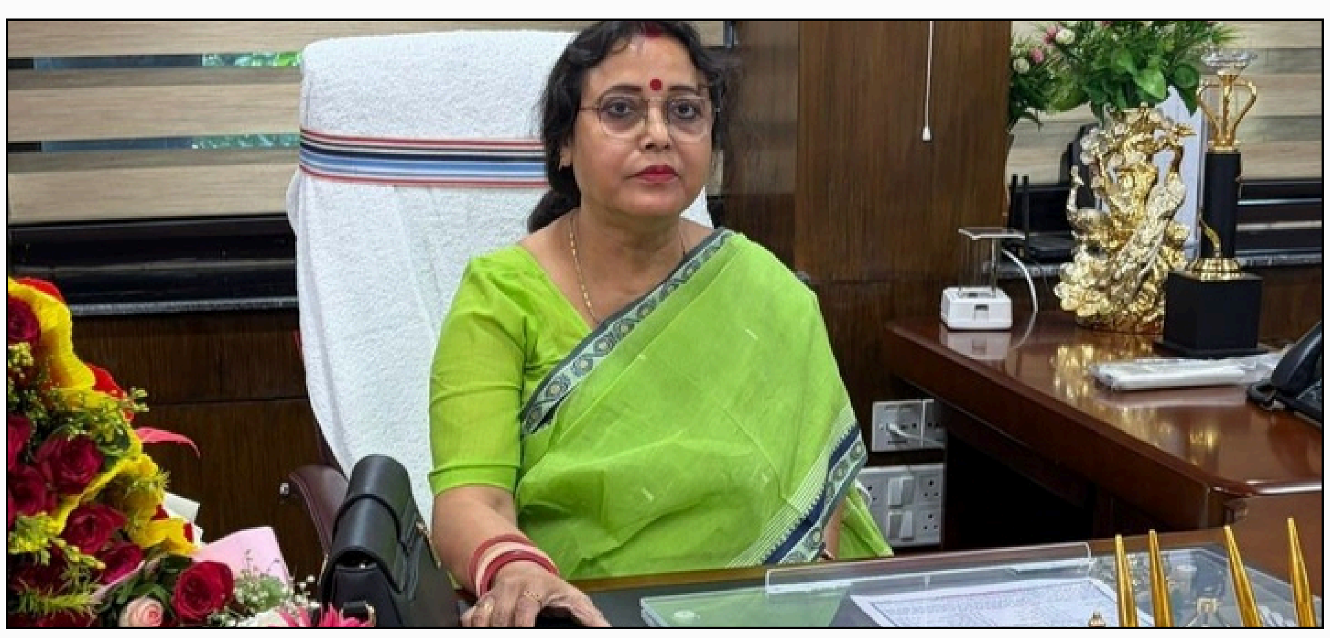

पटना (अपना नालंदा)। बिहार सरकार ने राज्य के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थानों को आधुनिक जरूरतों के अनुरूप सशक्त बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित मंत्रिमंडल बैठक में बिहार विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (बीसीएसटी) तथा उसके अधीनस्थ संस्थानों में पुराने और अप्रासंगिक पदों को समाप्त कर 53 नए पद सृजित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। इस निर्णय का स्वागत करते हुए विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री शीला कुमारी ने कहा कि यह पहल बिहार में वैज्ञानिक सोच और तकनीकी विकास को नई गति प्रदान करेगी।मंत्री ने बताया कि वर्तमान समय में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, उपग्रह तकनीक और अंतरिक्ष विज्ञान जैसे क्षेत्रों में तेजी से बदलाव हो रहे हैं। ऐसे में विज्ञान संस्थानों में योग्य विशेषज्ञों और तकनीकी कर्मियों की आवश्यकता बढ़ गई है।इसी को ध्यान में रखते हुए बिहार काउंसिल ऑन साइंस एंड टेक्नोलॉजी, इंदिरा गांधी विज्ञान परिसर, तारामंडल तथा बिहार रिमोट सेंसिंग एप्लीकेशन सेंटर (बिरसेक) के ढांचे में बदलाव किया गया है।

उन्होंने कहा कि नए पदों के सृजन से युवा वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और तकनीकी विशेषज्ञों के लिए रोजगार के नए अवसर उपलब्ध होंगे। तारामंडल को और आधुनिक बनाया जाएगा, जिससे बच्चों और आम लोगों में खगोल विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ेगी। वहीं बिरसेक को सशक्त किए जाने से कृषि निगरानी, बाढ़ पूर्व चेतावनी, शहरी नियोजन और आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में राज्य की क्षमता मजबूत होगी।

मंत्री शीला कुमारी ने बताया कि इन पदों पर नियुक्ति एवं पदोन्नति की रूपरेखा शीघ्र जारी की जाएगी। उल्लेखनीय है कि पहले से स्वीकृत 94 पदों में से 87 अप्रासंगिक पदों को समाप्त कर 53 नए पद सृजित किए गए हैं। सरकार का मानना है कि इस बदलाव से विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी क्षेत्र में बिहार की प्रगति को नई दिशा मिलेगी।

नालंदा में पेट्रोल-डीजल और गैस की नहीं होगी कमी, डीएम ने की समीक्षा

अखिलेंद्र कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। जिले में रसोई गैस की कमी और कुछ स्थानों पर पेट्रोल पंप बंद होने की सूचना के बाद जिला पदाधिकारी कुंदन कुमार ने गुरुवार को तेल विपणन कंपनियों के सेल्स अधिकारियों एवं जिला प्रशासन के वरीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की उपलब्धता की विस्तृत समीक्षा की गई।

सभी तेल कंपनियों के प्रतिनिधियों ने बताया कि जिले में पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति सामान्य है तथा सभी पेट्रोल पंप पूरी क्षमता के साथ संचालित हो रहे हैं। खपत के अनुरूप लगातार ईंधन की आपूर्ति की जा रही है और किसी प्रकार की कमी नहीं है। जिला पदाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि बढ़ती मांग को देखते हुए पेट्रोल पंपों पर पर्याप्त भंडारण सुनिश्चित किया जाए तथा आवश्यकता पड़ने पर 5 से 10 प्रतिशत अतिरिक्त स्टॉक रखने की व्यवस्था की जाए।

बैठक में एलपीजी गैस की उपलब्धता की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों ने बताया कि जिले की 54 गैस एजेंसियों के माध्यम से प्रतिदिन औसतन 8244 घरेलू गैस सिलेंडरों की आपूर्ति की जा रही है। राजगीर में चल रहे वैश्विक मलमास मेला को देखते हुए होटलों एवं सामुदायिक रसोईघरों की बढ़ती मांग के मद्देनजर पर्याप्त संख्या में वाणिज्यिक गैस सिलेंडर उपलब्ध रखने का निर्देश दिया गया है।

जिला पदाधिकारी ने बताया कि बिहारशरीफ, राजगीर और सिलाव में पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) नेटवर्क का तेजी से विस्तार किया जा रहा है। कई वार्डों में पाइपलाइन बिछाने का कार्य पूरा हो चुका है और अब तक 1969 उपभोक्ताओं को पीएनजी कनेक्शन उपलब्ध कराया गया है। उन्होंने लोगों से पीएनजी कनेक्शन लेने की अपील करते हुए कहा कि इससे एलपीजी सिलेंडरों पर निर्भरता कम होगी और गैस की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित होगी।

डीएम ने आम लोगों से जमाखोरी, कालाबाजारी या घरेलू गैस के व्यावसायिक उपयोग की सूचना जिला नियंत्रण कक्ष के टोल फ्री नंबर 06112-233168 पर देने की अपील की। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसी गतिविधियों में शामिल पाए जाने वालों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अभया ब्रिगेड ने छात्राओं को सुरक्षा कानूनों के प्रति किया जागरूक

अजीत कुमार

जहानाबाद (अपना नालंदा)। महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा को लेकर चलाए जा रहे जागरूकता अभियान के तहत जहानाबाद पुलिस की अभया ब्रिगेड टीम ने काको थाना क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों में छात्राओं के बीच विशेष जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान छात्राओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा संबंधी कानूनों तथा साइबर अपराधों से बचाव के उपायों की विस्तृत जानकारी दी गई।

कार्यक्रम के दौरान अभया ब्रिगेड की टीम ने छात्राओं से सीधे संवाद स्थापित कर महिला उत्पीड़न, पॉक्सो अधिनियम, घरेलू हिंसा तथा महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा से जुड़े विभिन्न कानूनी प्रावधानों के बारे में जानकारी दी। साथ ही साइबर अपराध, ऑनलाइन ठगी और सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग को लेकर भी जागरूक किया गया।पुलिस अधिकारियों ने छात्राओं को बताया कि किसी भी प्रकार की परेशानी या अपराध कीस्थिति में वे बिना झिझक पुलिस की सहायता ले सकती हैं। उन्हें थाना में स्थापित महिला हेल्प डेस्क, साइबर सुरक्षा प्रकोष्ठ तथा आपातकालीन सेवा डायल-112 की उपयोगिता और कार्यप्रणाली से भी अवगत कराया गया। इसके अलावा नए आपराधिक कानूनों के प्रमुख प्रावधानों की जानकारी देते हुए कानून के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया गया।

अभया ब्रिगेड की टीम ने छात्राओं से अपील की कि वे अपने आसपास होने वाली किसी भी संदिग्ध गतिविधि अथवा महिलाओं से संबंधित अपराध की जानकारी तत्काल पुलिस को दें। पुलिस का उद्देश्य विद्यालय स्तर पर जागरूकता बढ़ाकर छात्राओं में आत्मविश्वास पैदा करना तथा उन्हें सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना है।

राष्ट्रीय राजमार्गों पर सुरक्षा बढ़ाने के लिए होगी नियमित पेट्रोलिंग

अजीत कुमार

जहानाबाद (अपना नालंदा)। जिला पदाधिकारी अलंकृता पाण्डेय की अध्यक्षता में गुरुवार को जिला हाईवे सुरक्षा टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई। बैठक माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों तथा सड़क सुरक्षा संबंधी निर्धारित मानकों के आलोक में आयोजित हुई, जिसमें राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों पर सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में राजमार्गों पर नियमित निरीक्षण एवं पेट्रोलिंग, हाईवे सुरक्षा क्षेत्र में निर्माण कार्यों के लाइसेंस सत्यापन, अवैध निर्माणों की पहचान, अतिक्रमण हटाने, दुर्घटना संभावित स्थलों के सुधार तथा पंद्रह दिनों पर अनुपालन समीक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया गया।जिला पदाधिकारी ने निर्देश दिया कि पुलिस, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, पथ निर्माण विभाग एवं परिवहन विभाग की संयुक्त टीम गठित कर नियमित निरीक्षण एवं पेट्रोलिंगअभियान चलाया जाए। उन्होंने हाईवे सेफ्टी जोन में बिना वैध अनुमति के चल रहे निर्माण कार्यों पर तत्काल रोक लगाने तथा सात दिनों के भीतर कार्रवाई प्रतिवेदन प्रस्तुत करने का निर्देश भी दिया।

अवैध निर्माण एवं अतिक्रमण हटाने के लिए संबंधित विभागों को संयुक्त सर्वेक्षण अभियान चलाने को कहा गया। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, अंचल अधिकारी एवं थाना प्रभारी को अवैध अतिक्रमण चिन्हित कर पुलिस बल की सहायता से कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।

बैठक में सड़क सुरक्षा संकेतक, रोड मार्किंग, क्रैश बैरियर, रंबल स्ट्रिप एवं चेतावनी बोर्डों का ऑडिट कराने तथा दुर्घटना संभावित स्थलों पर प्राथमिकता के आधार पर सुरक्षा उपाय लागू करने पर भी जोर दिया गया। बैठक में अपर पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार पांडेय सहित परिवहन, स्वास्थ्य, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, पथ निर्माण विभाग एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बिना मान्यता संचालित विद्यालयों पर होगी कार्रवाई, दस जून तक अंतिम मौका

अजीत कुमार

जहानाबाद (अपना नालंदा)। जिला शिक्षा पदाधिकारी सरस्वती कुमारी ने जिले के सभी निजी विद्यालय संचालकों एवं अभिभावकों को निर्देश जारी करते हुए कहा है कि बच्चों के मुफ्त एवं अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 के तहत बिना सरकारी मान्यता के किसी भी निजी विद्यालय का संचालन पूर्णतः अवैध और दंडनीय है। ऐसे विद्यालयों को निर्धारित प्रक्रिया के तहत मान्यता प्राप्त करने के लिए 10 जून तक अंतिम अवसर दिया गया है।

जिला शिक्षा पदाधिकारी ने स्पष्ट किया कि मान्यता के बिना संचालित विद्यालयों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने विद्यालय संचालकों से आवश्यक दस्तावेजों के साथ समय पर आवेदन जमा करने तथा निर्धारित मानकों का पालन सुनिश्चित करने की अपील की है। साथ ही अभिभावकों से भी कहा गया है कि वे अपने बच्चों का नामांकन केवल मान्यता प्राप्त विद्यालयों में ही कराएं, ताकि गुणवत्तापूर्ण एवं सुरक्षित शिक्षा सुनिश्चित हो सके।

हालांकि विभाग के इस निर्देश को लेकर स्थानीय स्तर पर कई तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। कुछ लोगों का कहना है कि जिले में लंबे समय से कई निजी विद्यालय बिना मान्यता के संचालित हो रहे हैं, लेकिन अब तक किसी बड़े स्तर की कार्रवाई देखने को नहीं मिली है। लोगों का यह भी कहना है कि यह निर्देश ऐसे समय जारी किया गया है जब गर्मी की छुट्टियों के कारण अधिकांश विद्यालय बंद हैं।

फिलहाल शिक्षा विभाग ने 10 जून तक का समय निर्धारित करते हुए स्पष्ट कर दिया है कि इसके बाद नियमों का उल्लंघन करने वाले विद्यालयों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने सभी संबंधित पक्षों से निर्देशों का पालन करने की अपील की है।

औचक निरीक्षण में डीईओ ने शिक्षकों को बच्चों कि उपस्थिति बढ़ाने के निर्देश दिए

अजीत कुमार

जहानाबाद (अपना नालंदा)। जिले में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं शैक्षणिक गतिविधियों की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला शिक्षा पदाधिकारी सरस्वती कुमारी ने रतनी फरीदपुर प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण अभियान के तहत उन्होंने उत्क्रमित मध्य विद्यालय चगोड़ी, उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिकंदरपुर तथा उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय सिकंदरपुर का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।निरीक्षण के दौरान जिला शिक्षा पदाधिकारी ने पठन-पाठन की स्थिति, विद्यार्थियों की उपस्थिति, स्वच्छता, आधारभूत सुविधाओं एवं विद्यालयों में संचालित शैक्षणिक गतिविधियों की गहन समीक्षा की। उन्होंने विभिन्न कक्षाओं में जाकर स्वयं बच्चों को पढ़ाया और विद्यार्थियों से पढ़ाई के स्तर, शिक्षकों की नियमित उपस्थिति तथा विद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की।उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय सिकंदरपुर में विद्यार्थियों की उपस्थिति अपेक्षा से कम पाए जाने पर जिला शिक्षा पदाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने सभी शिक्षकों को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने पोषक क्षेत्रों का नियमित भ्रमण करें तथा अभिभावकों से संपर्क स्थापित कर अधिक से अधिक बच्चों की विद्यालय में उपस्थिति सुनिश्चित करें।उन्होंने कहा कि जनगणना कार्य में कई शिक्षकों की प्रतिनियुक्ति होने के बावजूद बच्चों की पढ़ाई प्रभावित नहीं होनी चाहिए। विद्यालय प्रबंधन को वैकल्पिक व्यवस्था कर शैक्षणिक गतिविधियों को सुचारु रूप से संचालित करने का निर्देश दिया गया।जिला शिक्षा पदाधिकारी सरस्वती कुमारी ने सभी शिक्षकों एवं विद्यालय कर्मियों से अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा, अनुशासन और जिम्मेदारी के साथ करने का आह्वान किया तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने को सर्वोच्च प्राथमिकता बताया।

Kalope
HOMES
Now in
BIHAR SHARIF
PREMIUM MODULAR KITCHEN
@ ₹99,999 में.
Upgrade Your Home with Luxurious uPVC Kitchen
ZERO
WOOD
TECHNOLOGY
No Wood
100%
Waterproof
uPVC
Termite
Proof
Low
Maintenance
10
YEAR
WARRANTY
LIMITED OFFER FOR FIRST 20 CUSTOMERS ONLY
BOOK FREE SITE VISIT »
+91 74887 06578
*T&C Apply | Limited Offer

नालंदा में बाढ़-सुखाड़ और हीटवेव से निपटने की पूरी तैयारी, 233 राहत शिविर तैयार

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। संभावित बाढ़, सुखाड़ और भीषण गर्मी से निपटने के लिए नालंदा जिला प्रशासन ने व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं। गुरुवार को जिला पदाधिकारी कुंदन कुमार की अध्यक्षता में आपदा प्रबंधन विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न विभागों द्वारा की गई तैयारियों का आकलन किया गया। बैठक में अधिकारियों को समय रहते सभी आवश्यक व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने के निर्देश दिए गए।

जिला पदाधिकारी ने बताया कि संभावित बाढ़ की स्थिति को देखते हुए जिले में 15,932 पॉलीथीन शीट उपलब्ध हैं। इसके अलावा 20 अंचलों में 233 राहत शिविर और 294 सामुदायिक रसोई केंद्र चिन्हित किए गए हैं। सभी केंद्रों पर नोडल पदाधिकारियों एवं कर्मियों की प्रतिनियुक्ति की जा रही है। आपात स्थिति में बचाव कार्यों के लिए महानंदपुर स्थित जिला आपदा प्रतिक्रिया एवं प्रशिक्षण केंद्र में एसडीआरएफ की 20 सदस्यीय टीम तैनात है, जबकि आवश्यकता पड़ने पर एनडीआरएफ की टीम भी उपलब्ध कराई जाएगी।

बैठक में तटबंधों की स्थिति की समीक्षा करते हुए बाढ़ नियंत्रण एवं जल निस्सरण प्रमंडल तथा अनुमंडल पदाधिकारियों को 31 मई तक सभी आवश्यक मरम्मत कार्य पूरा करने का निर्देश दिया गया। वहीं कृषि विभाग को संभावित सुखाड़ एवं बाढ़ की स्थिति में किसानों को राहत पहुंचाने के लिए आकस्मिक फसल योजना तैयार रखने को कहा गया। विलंबित मानसून या सूखे की स्थिति में किसानों को कम अवधि वाली धान, ज्वार, मडुआ, उरद, कुल्थी, चना और तिल जैसी वैकल्पिक फसलों की खेती करने की सलाह दी गई है।

पशुपालन विभाग ने बताया कि जिले में पशुओं के लिए 44 प्रकार की दवाएं उपलब्ध हैं। सभी 20 प्रखंडों में मोबाइल पशु चिकित्सा इकाइयां सक्रिय हैं तथा 42 पशु शिविर स्थलों का चयन कर लिया गया है। वहीं स्वास्थ्य विभाग ने जानकारी दी कि सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और अनुमंडलीय अस्पतालों में 19 प्रकार की आवश्यक दवाएं उपलब्ध हैं।

भीषण गर्मी और हीटवेव से बचाव के लिए जिले में विशेष व्यवस्था की गई है। लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग द्वारा सभी पंचायतों में भूजल स्तर की निगरानी की जा रही है। खराब चापाकलों की मरम्मत के लिए 20 विशेष दल कार्यरत हैं तथा 80 टैंकरों से जरूरतमंद क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति की जा रही है। इसके अलावा जिले में 153 स्थानों पर प्याऊ की व्यवस्था की गई है। राजगीर मलमास मेला क्षेत्र में श्रद्धालुओं को गर्मी से राहत देने के लिए ब्रह्मकुंड परिसर में मिस्ट फैन और कूलर लगाए गए हैं।जिला प्रशासन ने आम लोगों से अपील की है कि किसी भी आपदा या पेयजल संबंधी समस्या की सूचना जिला आपातकालीन संचालन केंद्र के 24 घंटे सक्रिय नियंत्रण कक्ष में दें, ताकि त्वरित सहायता उपलब्ध कराई जा सके।

प्रशासन ने दावा किया है कि बाढ़, सुखाड़ और हीटवेव जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए सभी विभाग पूरी तरह तैयार हैं।

हरनौत पुलिस ने दो लोगों को किया गिरफ्तार

हरिओम कुमार

हरनौत (अपना नालंदा)।स्थानीय थाना के पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपी को गिरफ्तार किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बीते तीन मई के संध्या सात बजे के आसपास बस्ती के निवासी श्रवण साव के पुत्र रंजन कुमार को बस्ती गांव के निवासी शुभम सिंह के पुत्र खुराना सिंह ने कॉल करके हरनौत रेलवे स्टेशन पर बुलाया था ।वहां से गाड़ी में बैठा कर वीर कुंवर सिंह चौक, बस्ती रेलवे फाटक,यादव टोला बस्ती ,दैली मोड़ होते हुए दैली गांव जाने वाली रोड में स्थित जोगना तालाब के पास ले गया था। इस दौरान अन्य लोग भी शामिल था। गाड़ी से उतरते हीं उसके साथ लाठी से देर रात तक पिटाई की गई थी।जहां तक उसके बैंक खाते से डरा धमका कर बीस हजार रूपये भी ट्रांसफर करवाया था।रोने की आवाज राहगीर को सुनाई दी थी। इसके बाद राहगीरों ने डायल 112 पुलिस को तुरंत सूचना दी थी। इसके बाद डायल 112 की गाड़ी आई थी। लेकिन पीड़ीत व्यक्ति को मुंह में कपड़ा कोच दिया था और उसे डरा कर रखा गया था। 112 की गाड़ी पर तैनात एएसआई मो. तौसिक ने हरनौत पुलिस को सूचना दी।जब तक हरनौत पुलिस की गाडी पहुंची थी।तबतक पीड़ीत को डरा घमका कर बीच खंधा में लेकर चला गया था।इसके बाद पुलिस ने घटना में प्रयुक्त चार चक्का वाहन को टांग कर बस्ती लाया था।वहां ग्रामीणों की भीड़ जुटी ।इतने में रोते-रोते व भटकते-भटकते(जख्मी के कारण) पीड़ीत व्यक्ति भी बस्ती तक आए गये।इसके बाद कल्याण बिगहा रेफरल अस्पताल में डायल 112 की पुलिस ले गये थे। जहां से चिकित्सकों ने रेफर कर दिया गया था। इसके बाद दो दिन बाद उन्होंने बस्ती गांव के निवासी शुभम सिंह के पुत्र खुराना सिंह सहित अंशु ,दिवांशु व अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाया था।जिसके बाद सभी पुलिस के रडार पर था।जिसमें एसआई प्रमोद कुमार को केस की जिम्मेदारी मिली ।

वहीं थानाध्यक्ष इस्पेक्टर मुकेश कुमार वर्मा ने बताया कि वांछित अपराधकर्मी राज खुराना एवं बिक्रम कुमार को बिहार एसटीएफ एवं हरनौत पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में छापामारी कर गिरफ्तारी हुई।

संशोधित शुल्क के बावजूद ककोलत में उमड़ी पर्यटकों की भीड़, एक दिन में पहुंचे करीब सात हजार सैलानी

संजय वर्मा

नवादा (अपना नालंदा)। प्रसिद्ध पर्यटन स्थल ककोलत जलप्रपात में प्रवेश एवं पार्किंग शुल्क की नई दरें लागू होने के बावजूद पर्यटकों का उत्साह कम नहीं हुआ। गुरुवार को बच्चों सहित लगभग सात हजार पर्यटक ककोलत पहुंचे और प्राकृतिक सौंदर्य के बीच जलप्रपात का आनंद लिया। टिकट काउंटर बंद होने तक कुल 6900 टिकटों की बिक्री दर्ज की गई।

एक दिन पूर्व जिला पदाधिकारी रवि प्रकाश, पुलिस अधीक्षक अभिनव धीमान तथा वन प्रमंडल पदाधिकारी श्रेष्ठ कृष्णा ने संयुक्त रूप से ककोलत जलप्रपात का निरीक्षण किया था। निरीक्षण के दौरान पार्किंग, सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई, पेयजल, शौचालय, यातायात नियंत्रण तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं की समीक्षा की गई थी। इसके बाद पर्यटकों की सुविधा, भीड़ प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए 21 मई 2026 से प्रवेश एवं पार्किंग शुल्क की संशोधित दरें लागू की गईं।प्रशासन ने ककोलत में प्रतिदिन अधिकतम आठ हजार पर्यटकों के प्रवेश की सीमा निर्धारित की है। गुरुवार को निर्धारित सीमा से कम संख्या में पर्यटक पहुंचने के कारण भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह सामान्य एवं व्यवस्थित रही। पर्यटकों को कुंड में स्नान करने या अन्य गतिविधियों में किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा।प्रशासन की ओर से सुरक्षा और सुचारु संचालन के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। कुंड क्षेत्र में एक समय में सीमित संख्या में ही पर्यटकों को प्रवेश दिया जा रहा है तथा भीड़ नियंत्रित रखने के लिए ठहराव की अवधि भी निर्धारित की गई है। अधिकारियों ने बताया कि पर्यटकों की सुविधा और सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है।

नवादा को तीन नई रेल लाइन की सौगात: सांसद विवेक ठाकुर

संजय वर्मा

नवादा (अपना नालंदा)।भाजपा नेता एवं नवादा सांसद विवेक ठाकुर ने बताया कि नवादा संसदीय क्षेत्र को तीन और नई रेल लाइन की सौगात मिली है। जिससे नवादा सहित पूरे मगध और अंग क्षेत्र के लोग लाभान्वित होंगे।

सांसद विवेक ठाकुर ने बताया कि यह अत्यंत हर्ष और गौरव का विषय है कि बिहार में प्रस्तावित नई रेल परियोजनाओं के अंतर्गत नवादा से जुड़ी कई महत्वपूर्ण रेल लाइनों के सर्वेक्षण को स्वीकृति मिली है। जिसमें नवादा - पावापुरी (35 किलोमीटर), नवादा - गिरिडीह (भाया सतगावां, 130 किलोमीटर) एवं नवादा - जमुई - बांका (165 किलोमीटर) नई रेल लाइन प्रस्तावित है।सांसद विवेक ठाकुर ने कहा कि इन रेल परियोजनाओं के साकार होने से नवादा और आसपास के क्षेत्रों में आवागमन, व्यापार , शिक्षा, पर्यटन एवं रोजगार के नए अवसर विकसित होंगे। साथ ही क्षेत्र की जनता को बेहतर रेल कनेक्टिविटी का लाभ मिलेगा।

इस महत्वपूर्ण सौगात के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का हृदय से आभार, जिनके नेतृत्व में बिहार एवं नवादा के विकास को निरंतर नई गति मिल रही है।

जिला चयन समिति की बैठक में पांच कर्मियों को मिली राहत

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। जिला पदाधिकारी कुंदन कुमार की अध्यक्षता में आयोजित जिला चयन समिति की बैठक में सेवानिवृत्त कर्मियों के पुनर्नियोजन एवं संविदा अवधि विस्तार से संबंधित महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में प्रशासनिक आवश्यकताओं एवं कार्यों की निरंतरता को ध्यान में रखते हुए दो सेवानिवृत्त कर्मियों को संविदा के आधार पर पुनर्नियोजित करने की स्वीकृति प्रदान की गई। इसके साथ ही पूर्व से संविदा के आधार पर कार्यरत तीन पुनर्नियोजित कर्मियों की सेवाओं की समीक्षा करते हुए उनकी संविदा अवधि बढ़ाने का निर्णय लिया गया। समिति ने इन कर्मियों की संविदा अवधि एक वर्ष अथवा 65 वर्ष की आयु पूर्ण होने तक, जो भी पहले हो, विस्तारित करने की मंजूरी दी।बैठक में अधिकारियों ने संबंधित कर्मियों के अनुभव, कार्य निष्पादन एवं विभागीय आवश्यकताओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया। जिला प्रशासन का मानना है कि अनुभवी कर्मियों की सेवाओं का लाभ मिलने से कार्यालयी कार्यों के निष्पादन में दक्षता और निरंतरता बनी रहेगी।